खिलौनों का समय

मार्गरेट वाइल्ड और जूली



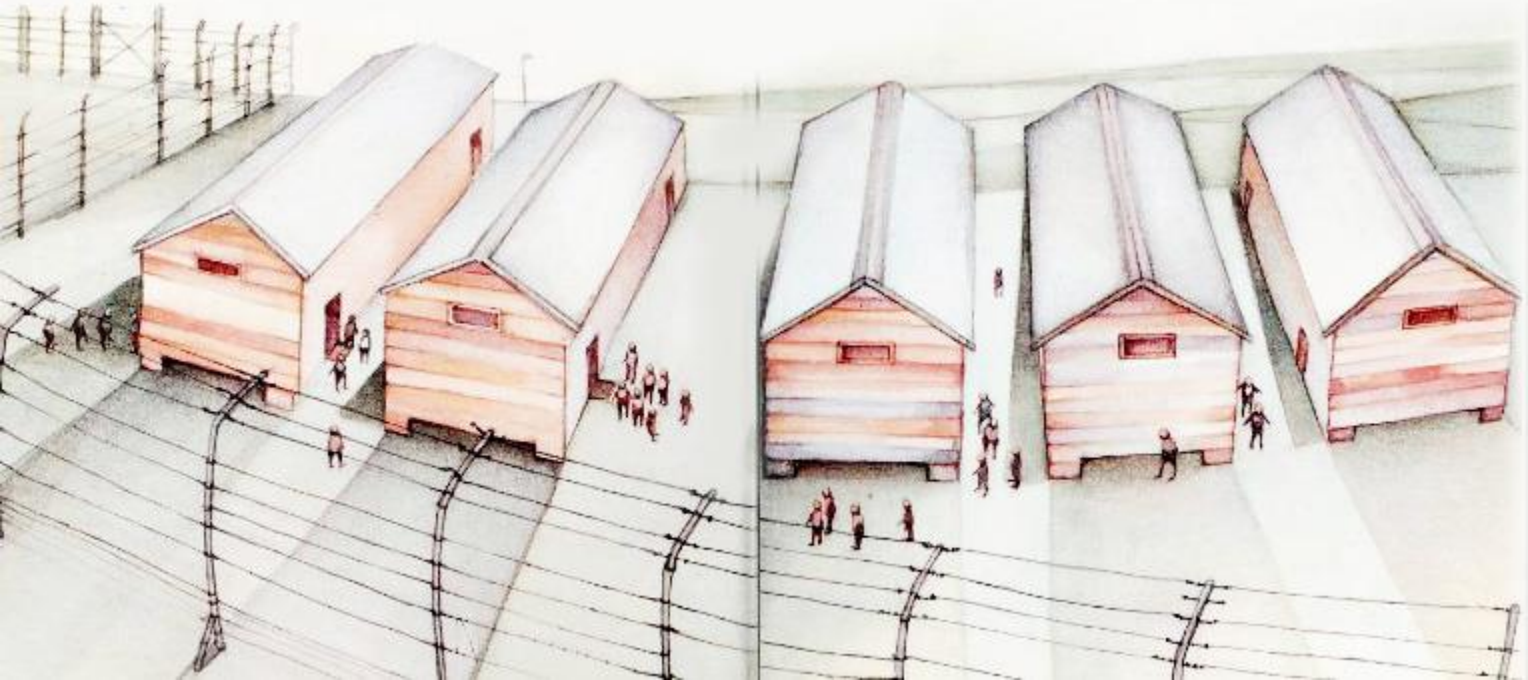
खिलौनों का समय



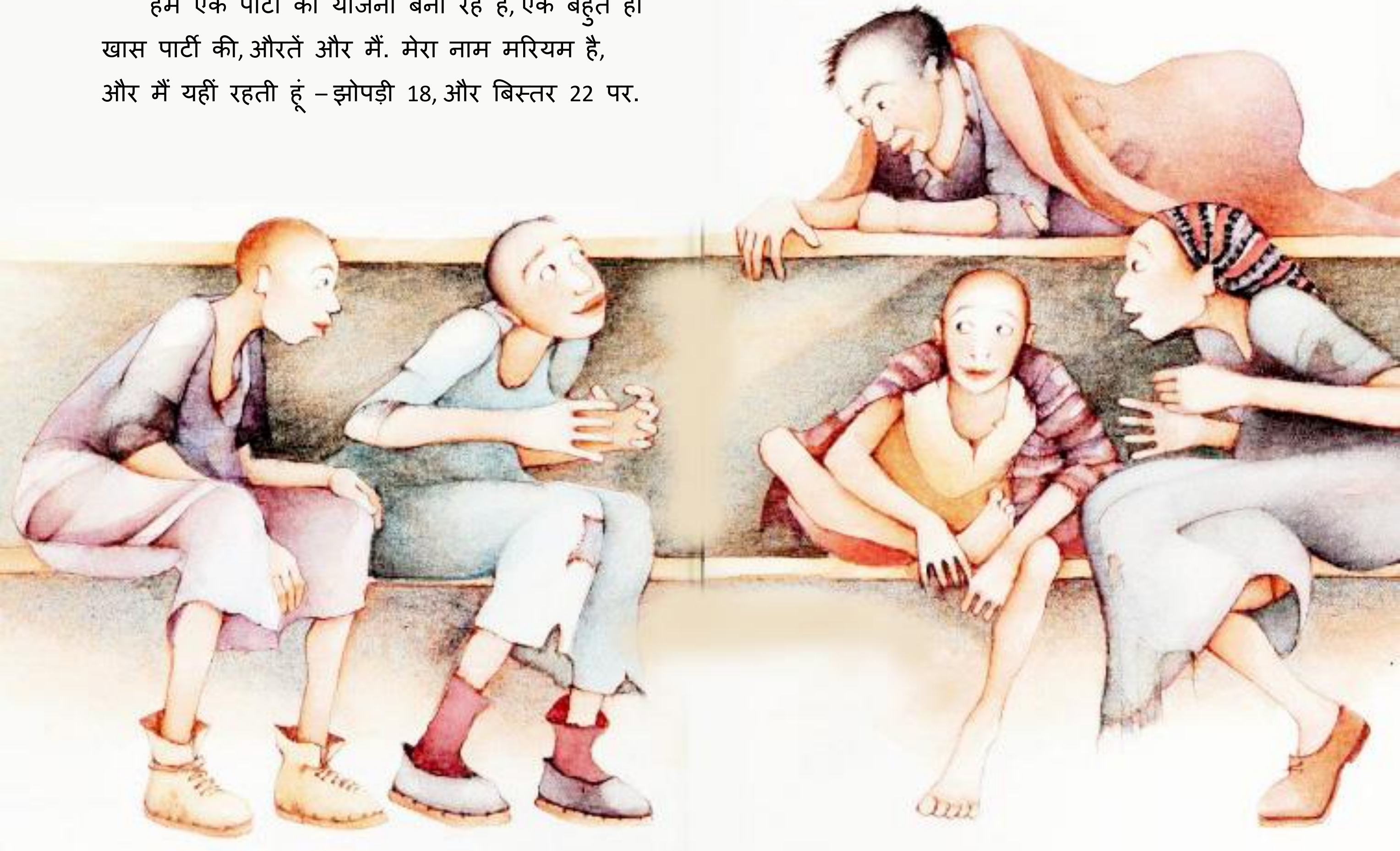
मार्गरेट वाइल्ड और जूली

द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, जर्मन कंसंट्रेशन-कैंप (यातना-शिविर) में, ज़िंदा रहने के अलावा किसी अन्य चीज़ के लिए बिल्कुल कम समय था. खिलौनों के लिए निश्चित रूप से कोई समय नहीं था.

(मुक्ति के बाद आयोजित पहली बच्चों की पार्टी के लिए बेलसेन में पोलिश महिलाओं द्वारा बनाए गए कपड़े के रुई से भरे खिलौनों का एक छोटा संग्रह संरक्षित रखा गया है.)



हम एक पार्टी की योजना बना रहे हैं, एक बहुत ही खास पार्टी की, औरतें और मैं. मेरा नाम मरियम है, और मैं यहीं रहती हूं – झोपड़ी 18, और बिस्तर 22 पर.







यह मेरी सबसे अच्छे दोस्त हैं, सारा, और वो डेविड है. वो केवल चार साल का है. आप उसे वहाँ कोने में अपनी माँ के पुराने काले शाल के साथ देख सकते हैं. उसकी भूखी आँखें हैं और ज़रा उसके पैर देखें. उसके पैर! हमारे घर में मुर्गियों के पैर उससे मोटे थे.





मुर्गी! मुर्गी की टांग चबाए मुझे कई साल हो गए हैं. उस समय, मुझे उसकी चमड़ी या चर्बी पसंद नहीं थी. पर अब मैं सब - चमड़ी, चर्बी और हड्डियाँ हड़प कर लूँगी. मैं प्लेट को चाटूंगी और मन्नत मांगूंगी कि डेविड को दूसरी, तीसरी मुर्गी भी खाने को मिले!

सारा और डेविड को लगता है कि वे हमेशा यहीं रहते थे. उन्हें लगता है कि यही उनका घर है. लेकिन मुझे अब भी पुरानी बातें याद हैं. मुझे मम्मा और पापा याद हैं और मेरा अपना बेडरूम, मेरा अपना बिस्तर और, कोने में पड़े अपने खिलौने भी याद हैं.





सारा और डेविड मुझसे कहते हैं, "हमें फिर से बताओ मिरियम. हमें अपने टेडी के बारे में बताओ, बीच में उसकी आवाज़ सुनाओ. हमें अपनी गुड़िया के बारे में बताओ जिसकी आंखें झपकती हैं. हमें अपने नरम गुलाबी हाथी के बारे में बताओ जो खिड़की पर बैठता है." ... और वो उल्लू जो छत से झूलता है."

तो मैं उन्हें बताती हूं. सारा मुझे घूरती है और डेविड अपनी माँ के पुराने काले शाल को गले से लपेट लेता है.





फिर मैं वहां से भाग जाती हूं, क्योंकि मैं जानती हूं कि सारा और डेविड दुनिया में किसी भी चीज से ज्यादा एक खिलौना चाहते हैं. और यहाँ पर उनके लिए एक भी खिलौना नहीं है.

इसलिए हम एक पार्टी की योजना बना रहे हैं, एक बहुत ही खास पार्टी की, औरतें और मैं. वे फाटक खोल देंगे और रात के खाने में हम मुर्गियां पकाएंगे - सभी के लिए मुर्गियां! —फिर झोपड़ी में प्रत्येक बच्चे को एक खिलौना मिलेगा. उसका अपना एक खिलौना.



हम अब खिलौने बना रहे हैं, औरतें और मैं. हम छोटे-छोटे टुकड़े इकट्ठा कर रहे हैं. कपड़े के टुकड़े, लत्ते, धागे की छोटी लड़ियाँ, ऊन, कुछ भी. और हम खिलौने बनाएंगे – बेहतरीन खिलौने! मैं और औरतें.

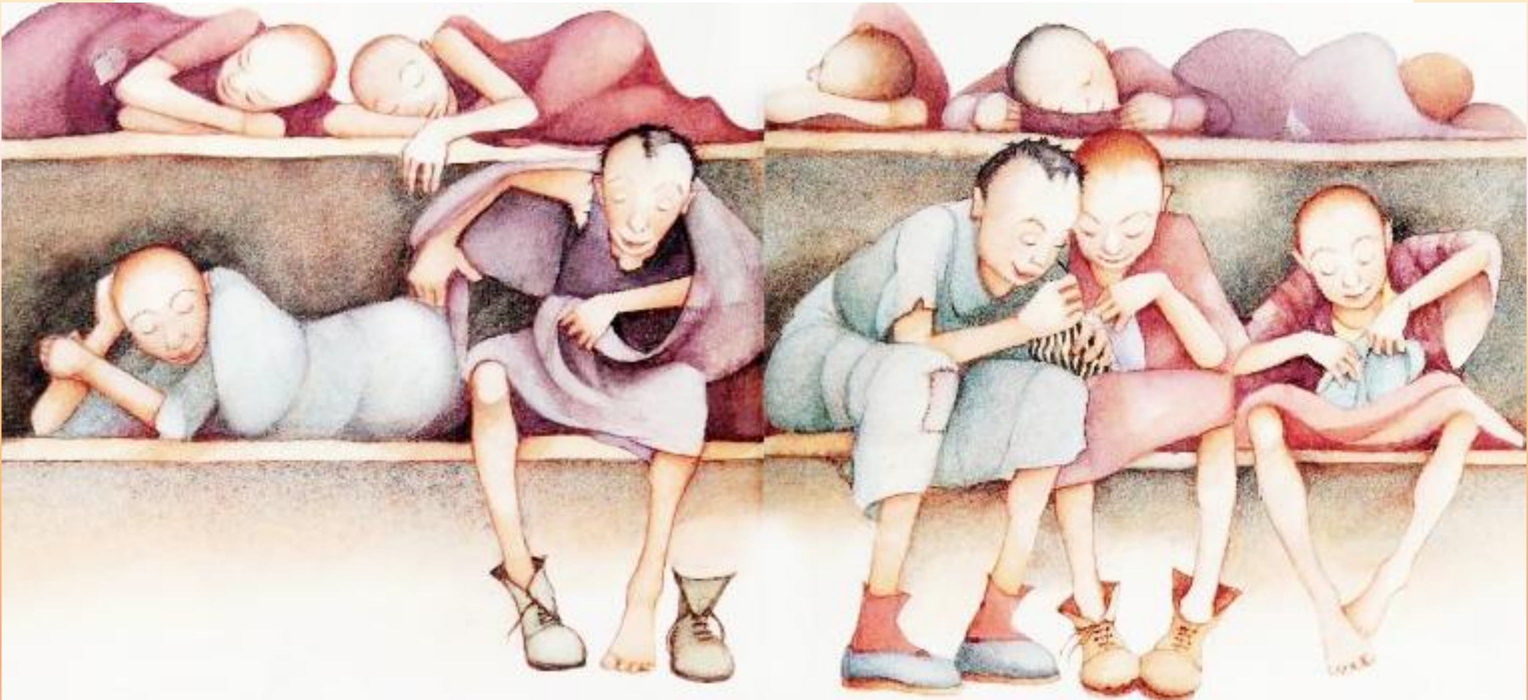
बूढ़ी जैकोबा कहती है हम लोग पागल हैं. "तुम खिलौनों की चिंता क्यों करती हो?" वो डांटती है. "हम भूखे मर रहे हैं, बेवकूफ. हमें भोजन की आवश्यकता है, और तुम मूर्ख लोग खिलौने बना रहे हो."







लेकिन हम उस पर हंसते हैं. औरतें और मैं. और हम लोगों से उनके बटन और फटी जेबें भीख में मांगते हैं, क्योंकि खाने के बारे में हम कुछ कर नहीं सकते. खाने की बड़ी किल्लत है. लेकिन हम खिलौने तो बना ही सकते हैं. और हम वही करेंगे. अंततः. बूढ़ी जैकोबा हमें अपने स्वेटर का पिछला हिस्सा दे देती है और बड़बड़ाती हुई चली जाती है कि अगर उसे इन सर्दियों में पीठ में गठिया हुआ तो वो पूरा कसूर हमारा होगा.



लेकिन हम कंधे उचकाते हैं और मुस्कुराते हैं क्योंकि हम जानते हैं कि हम इस सर्दी में शिविर में नहीं रहेंगे. सैनिक जल्द ही आ रहे हैं - हर कोई यही कहता है! - और हमें -औरतों को और मुझे, हमारी अपनी पार्टी के लिए, हमारी बहुत खास पार्टी के लिए तैयारी करनी है.

हर रात, जब गार्ड सो रहे होते हैं, तब हम सभी कपड़ा काटते हैं और सिलाई करते हैं. बूढ़ी जैकोबा भी हमारी मदद करती है. उसने हमें अपने स्वेटर की दाहिनी बाँह भी दी है, और वो कहती है कि यह हमारी गलती होगी - अरे हाँ! - अगर इस सर्दी में उसकी दाहिनी बाँह में गठिया हो गया तो.

लेकिन फिर भी, हमारे पास पर्याप्त सामग्री नहीं है! इसलिए अब हम खुद अपने ही कपड़े काट रहे हैं. मेरी फ्राक छोटी और छोटी होती जा रही है. उससे डेविड हैरान है. वो सोचता है कि मेरे पैर लंबे और लंबे हो रहे हैं, बड़ी तेजी से.



सारा चिल्लाती है. वो जानती है कि हमारे पास एक रहस्य है; औरतों और मेरे बीच. और वो कहती है कि वो मुझ से घृणा करती है; और वो मुझसे फिर कभी बात नहीं करेगी. लेकिन मैं उसे अभी बता नहीं सकती हूँ, तब तक नहीं जब तक कि मैं उसके लिए एक हाथी नहीं बनाती जो एक दिन उसके नए घर की खिड़की पर बैठेगा....





वे यहाँ हैं! हर कोई, हर कोई, सैनिक यहाँ हैं! देखो उनकी बंदूकें और उनके टैंक और खुले हुए बड़े-बड़े फाटक!



डेविड अपनी माँ के पुराने काले शाल के बीच से सैनिकों को झाँकता है, और सैनिक हमें घूरते हैं, बड़े अजीब तरीके से, उनके गले में से नरम आवाजें आ रही हैं. वे हमें छूने से डरते हैं, क्योंकि उन्हें ऐसा लगता है कि हम टूट सकते हैं. फिर बूढ़ी जैकोबा आगे बढ़ती है और उनसे तले हुए चिकन की मांग करती है - पूरी-की-पूरी चिकन अपने लिए! - और उसे सुनकर सैनिक हंसते हैं और उनमें से एक डेविड को अपने कंधों पर झुलाता है.



हमारी पार्टी में उस रात, हमारी सामाजिक पार्टी में, औरतें और मैं खिलौने बाहर लाते हैं.

डेविड अपने कीमती उल्लू को अपनी माँ के पुराने काले शाल में लपेटता है.



सारा ने अपने मज़ेदार पैचवर्क हाथी को गले लगाया है और उसे हमेशा अपनी खिड़की पर रखने की कसम खाई है.





और बूढ़ी जैकोबा बहुत जोर से सबको बताती है, कि उसने अपना पूरा स्वेटर - हाँ स्वेटर के पीछे, सामने, और दोनों आस्तीन दान कर दी हैं, ताकि इन प्यारे बच्चों को खिलौने मिल सकें.

औरतें और मैं एक-दूसरे को आंख मारते हैं और बूढ़ी जैकोबा को चिकन सूप का एक और प्याला देते हैं.

और इस तरह पार्टी और उत्सव शुरू होता है!



अचानक हमें टैंकों के लुढ़कने की आवाज सुनाई दी. हमें लगा कि जर्मन सैनिक शिविर को उड़ाने वाले हैं. लेकिन फिर .... हमने जर्मन में एक तेज़ आवाज़ सुनाई दी, "हैलो, हैलो, तुम लोग आज़ाद हो! हम ब्रिटिश सैनिक हैं, और हम तुम्हें आज़ाद कराने के लिए आए हैं!"

हम बैरक से बाहर निकलते हैं और लाउडस्पीकर के साथ एक ब्रिटिश सेना की कार को, शिविर के सामने से जाते हुए देखते हैं. लाउडस्पीकर बार-बार वही सन्देश दोहराता है. फिर सैकड़ों महिलाओं ने कार को रोका. वो चिल्ला रही थीं, हंस रही थीं और रो रही थीं और ब्रिटिश सैनिक भी उनके साथ रो रहे थे.